नए लुक में होगा महात्मा गांधी सेतु का एक लेन

निर्माण

उम्मीदें 2018

नये साल में राजधानी पटना की लाइफ लाइन महात्मा गांधी सेतु नए रूप में दिखेगा। एक लेन का स्वरूप बदला-बदला सा दिखेगा कंक्रीट का सुपरस्ट्रक्चर हटाकर स्टील का लगाया जाएगा। वहीं दूसरी लेन का स्वरूप भी डेढ़ साल में बदल जाएगा।

सुपरस्ट्रक्चर का काम अप्रैल से

सेतु के एक लेन को तोड़ने का काम लगभग आधा हो गया है। सुपर स्ट्रक्चर का काम अप्रैल से शुरू हो जाएगा। जनवरी से ही कोलकाता में अलग-अलग भाग में सामग्री बनने लगेगी।

समय पर काम पूरा होगा

गांधी सेतु के नवनिर्माण का काम शुरू होने में थोड़ा विलंब हो गया है। सरकार ने दीघा-सोनपुर पुल का काम पूरा होने तक सेतु तोड़ने का काम रोक दिया था। बावजूद काम समय पर पूरा होगा।

15 जनवरी से पानी में टूटेगा

सूखे भाग में पुल तोड़ने का काम पूरा हो चुका है। 15 जनवरी से पुल को तोड़ने का सिलसिला पानी में प्रवेश करेगा। उसके बाद उन स्पैनों को तोड़ने का काम शुरू होगा जिनके नीचे गंगा बह रही है।

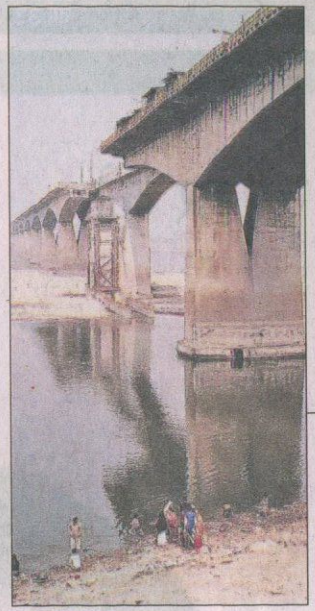

5.575

किमी लंबा है महात्मा गांधी सेतु जो पटना को उत्तर बिहार से जोड़ता है

1383

करोड़ में फाइनल हुआ है टेंडर गांधी सेतु के नवनिर्माण के लिए

1742

करोड़ रुपये स्वीकृत है 35 साल पुराने गांधी सेतु के नवनिर्माण के लिए

निर्माण क्षेत्र में होगा अजूबा

महात्मा गांधी सेतु के नवनिर्माण की कवायद लंबे समय से की जा रही है। जब इसका नवनिर्माण पूरा हो जाएगा तो निर्माण के क्षेत्र में दुनिया के इस पहले अजूबे काम का पटना गवाह बन जाएगा। 1982 में इस पुल का निर्माण पूरा हुआ था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गांधी सेतु का उद्घाटन किया था। पिछले 35 साल में सेतु की मरम्मत पर करोड़ों खर्च किए गए लेकिन अंततः इसमें सुधार नहीं हो सका। अंत में कई विशेषज्ञों की राय के बाद सुपरस्ट्रक्चर में बदलाव का निर्णय लिया गया।

पानी में पीपा पुल बनाकर मलबे को बाहर लाया जाएगा

पुल तोड़ने की शुरुआत हाजीपुर छोर से हुई है। निर्माण भी उसी छोर से होगा। तोड़ने का काम पानीवाले भाग में पहुंचेगा तो पुल को ऊपर से सपोर्ट दिया जाएगा, ताकि काटने पर टुकड़ा पानी में न गिरे। छोटे-छोटे टुकड़ों में सतह को काटकर मशीन के माध्यम से धीरे-धीरे नीचे लाया जाएगा। पानी में पीपा पुल बनाकर मलबा बाहर लाया जाएगा।

मार्च में पहुंचेगी सामग्री: मार्च में पहले स्पैन की सामग्री पटना पहुंच जाएगी जिसे एसेम्बल कर अप्रैल से लगाने का काम शुरू हो जाएगा। इसी बीच पुल को तोड़ने का भी काम चलता रहेगा। हालांकि एक लेन का नवनिर्माण पूरा होने के कारण इस पुल पर यातायात व्यवस्था बहुत हद तक सुचारू हो जाएगी। बावजूद संकट पूरी तरह नहीं टलेगा।

संसाधन बढ़ाने के निर्देश: इसके लिए पथ निर्माण विभाग ने निर्माण एजेन्सी को निर्देश दिया है कि वह संसाधन बढ़ाकर काम में तेजी लाए। साथ ही सभी अवयव की डिजायन जल्द प्रस्तुत करे, ताकि उसकी स्वीकृति दी जा सके।

पानी में नहीं गिरेगा मलबा: मलबा पानी में नहीं गिरे इसका मुकम्मल इंतजाम एजेंसी ने कर लिया है। ऐसी मशीनें मंगा ली गईं हैं जिनके सहारे मलबे को ऊपर-ऊपर ही पानी से बाहर वाले भाग में लाया जा सके। अब तक 19 स्पैन में पुल तोड़ने का काम पूरा हो चुका है।